15939

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

Rs.5000

पाँ[redacted]ये FIVE

PEES

INDIA

उत्तर प्रदेश U[redacted]RADESH

Auth. Sign.
409605

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 4,55,328/ रुपये।
स्टाम्प पेपर अंकन : 45,600/ रुपये ।

मैं/हम कि रामकरण पुत्र श्री छिददा निवासी ग्राम सादतनगर इकला परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद (फरीक अव्वल /विक्रेता) ।

एवम

मैसर्स एंजिलिका प्रमोटर्स एण्ड डवलपर्स प्रा0 लि0 पंजीकृत कार्यालय 33, कम्यूनिटी सैंटर एन.एफ.सी. नई दिल्ली द्वारा श्री राकेश उप्पल पुत्र श्री ब्रजमोहन उप्पल निवासी-ए-334, शिवालीक नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी (फरीक दोयम/क्रेता) ।

For Angelica Promoters & Developers Pvt. Ltd.

Auth. Sign.

क्रमांक 38 ... स्टाम्प विक्रय की तिथि 18/11/06
स्टाम्प ... ... द्वि ...
स्टाम्प ... ... पुत्र 5000
स्टाम्प ...
... मनोज ... राजेश उप्पल

तहसील ...

... 2006

मालियत 455328/= स्टाम्प 5000/=
नकल 20/= ... 5020/= ... 400
श्री रामकरण
पुत्र श्री छिदया ... रैदास
निवासी रायनगर रकेला
ने ... ... जिला
बीतर ... ... में आज ... 18/11/06
समय मध्य 2 व 3 बजे ... किया।

रामकरण ... 18/11/06

इस लेखपत्र का संपादन एवं ... लिये
जोरदरा मु० 455328/= पूर्ववनुसार
~~निवासी से~~
~~...~~ ... उक्त श्री रामकरण पु० ... एवं केवल
(एकमात्र) स्वयं श्री राकेश उप्पल S/o बृजमोहन उप्पल ...
... M/s ... प्रमोटर्स एण्ड ...
प्रा०लि०

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 पाँच हजार रुपये

Rs.5000 FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

UTTAR PRADESH 409606

(2)

1. यह कि खसरा नं0 49 रकबई 0.0960 हैक्टेयर लगानी 5 रुपये 25 पैसे अनुसार खाता खतौनी संख्या 108 वर्ष 1409 से 1414 फसली स्थित ग्राम कचैड़ा वारसाबाद परगना व तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0) का फरीक अव्वल (विक्रेता) पूर्ण भाग का स्वामी, विक्रयाधिकारी व संक्रमणीय भूमिधर दर्ज कागजात है ।

2. विक्रीत भूमि मुझ/हम फरीक अव्वल (विक्रेता) की पैतृक भूमि है जो हम फरीक अव्वल को अपने पूर्वजो से उत्तराधिकार मे प्राप्त हुई है इससे पूर्व भूमि विक्रीत के मालिक व स्वामी मेरे पिता श्री छिद्दा पुत्र श्री बहाल मालिक थे

For Angelica Promoters & Developers Pvt. Ltd.

Auth. Sign.

क्रम सं० 3573 लेख्य विक्रय की लिये

5000/-

130000/-

विक्रेता श्री जगत राम
पुत्र श्री भजनलाल पेशा
निवासी इकला
क्रेता श्री कर्मवीर
पुत्र श्री रामकरन
निवासी इकला

ह० रजिस्ट्रार दादरी
18/11/06

रामकरन

कर्मवीर

साक्षी भले प्रतीत होते है कि
अंगूठा नियमानुसार लिये गये

उप निबन्धक
दादरी, गौतम बुद्ध नगर
18/11/06

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 409607

(3)

3. विक्रय भूमि संक्रमणीय भूमिधरी की कृषि भूमि है दर्ज मालकागजात है, जो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लिंक मार्ग पर स्थित नही है भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है जिसका सरकारी सर्किल रेट 20,00,000/–रुपया प्रति हैक्टेयर है लेकिन इस विक्रय पत्र मे सर्किल रेट से अधिक रुपया 47,43,000/–रुपया प्रति हैक्टेयर की दर से अंकन 4,55,328/–रुपये (चार लाख पचपन हजार तीन सौ अट्ठाईस रुपए मात्र) मूल्य पर सरकारी स्टाम्प अदा किया गया है

4. विक्रेता अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजाति से नही है। विक्रेता ने इस आशय का श्रीमान तहसीलदार महोदय से प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है ।

For Angel... (P) Ltd.

Auth. Sign.

क्रमांक [illegible] स्टाम्प विक्रय की तिथि [illegible]

स्टाम्प [illegible]

स्टाम्प [illegible]

स्टाम्प [illegible] 5000

[illegible]

तह[illegible]

[illegible] 150001[illegible]

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 409381

(4)

5. विक्रीत भूमि ग्राम समाज, भूदान, वक्फ, पट्टे आदि की भूमि नही है और न ही इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद है और न ही किसी सरकारी अथवा अर्द्ध सरकारी कार्य हेतु अधिग्रहण के लिये अधिसूचित की गयी है।

6. विक्रीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय मे स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(i) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है ।

7. यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि का पूर्व मे मौखिक इकरारनामा भी दोनो पक्षों के बीच हुआ था तथा विक्रय पत्र लिखे जाने की मौखिक सहमति हुयी थी जिसके अनुपालन मे वर्तमान विक्रय पत्र का निष्पादन किया जा रहा है। तत्समय विक्रेता (फरीक अव्वल) ने बजरिये चैक नम्बर 071584 दिनांकित 17-10-2006 अंकन-54,660/-रू0 (चव्वन हजार छः सौ साठ रुपये) को अग्रिम मे प्राप्त कर लिये थे।

For Angelica [illegible] Pvt. Ltd.

Auth. Sign.

[illegible] 5000

[illegible] 31-3-2008

[illegible]

बिक्री सीमा 15000/-

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 409382

(5)

8. विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ /हम फरीक अव्वल (विक्रेता/विक्रेतागण) की ओर से हर प्रकार के ऋण बंधक, अन्य भार व सरकारी देनदारी, इकरारनामा, विक्रय, वसीयत आदि दोषों से मुक्त है कहीं अन्य जगह आड, रहन बय, हिबै इकरार विक्रय वसीयत आदि दोषो से मुक्त है इस विक्रय भूमि से सम्बंधित कोई मामला किसी न्यायालय व सरकारी व अर्द्धसरकारी विभाग/कार्यालय मे न तो दर्ज है और न ही विचाराधीन है और न ही किसी निर्णित आदेश का क्रियान्वन लम्बित है ।

9. मुझ/हम विक्रेता/विक्रेतागण को विक्रय पत्र मे वर्णित उक्त खाता संख्या 108 के खसरा नं0 49 रकबई 0.0960 हैक्टेयर, लगानी 5 रूपये 25 पैसे स्थित ग्राम कचैडा वारसाबाद परगना व तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर के अपने हिस्से के पूर्ण भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार प्राप्त है हम/मुझ विक्रेता को वास्ते तरक्की कारत एवं अन्य निजि आवश्यकताओं हेतु रूपयो की आवश्यकता है और

For Angelica ... Pvt. Ltd.

Auth. Sign.

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 2008
[illegible] शुल्क जमा)
[illegible]

[illegible]

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.5000

Rs.5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश-UTTAR PRADESH

409383

(6)

मुझे अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत केता से मिल रही है । मैने/हमने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के बरजामंदी, शुद्ध बुद्धि व स्वस्थ इन्द्रियो की दशा में समस्त मालिकाना, काबिजाना, दाखिल खारिजी काश्त भराई हर किस्म का कब्जा यानि जो कुछ भी अधिकार मुझे/हमे विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नही रहा है आदि आदि को आज की तारीख मे विक्रय धनराशि अंकन 4,55,328/-रूपये (चार लाख पचपन हजार तीन सौ अट्ठाईस रूपए मात्र) जिसके आधे अंकन 2,27,664/-(दो लाख सत्ताईस हजार छः सौ चौसठ रूपए मात्र) होते है, के एवज मे व हाथ फरीक दोयम केता उपरोक्त मैसर्स एंजिलिका प्रमोटर्स एण्ड डवलपर्स प्रा0 लि0 पंजीकृत कार्यालय 33, कम्यूनिटी सैंटर एन.एफ. सी. नई दिल्ली द्वारा श्री राकेश उप्पल पुत्र श्री ब्रजमोहन उप्पल निवासी-ए-334, शिवालीक नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष को बय कर दिया है यानि कतई बेच दिया है और भूमि की कुल विक्रय धनराशि मुझ विक्रेता ने केता से प्राप्त कर ली है और कुछ भी विक्रय धनराशि बाकी नही रही है ।

२।५ ०८।२०११

For Angelica

Auth. Sign.

2008

15000/-

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 पाँच हजार रुपये

Rs.5000 FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 409769

(7)

10. विक्रीत भूमि का कब्जा मौके पर केता को पूर्ण रूप से करा दिया है जिसके केता पूर्णत: मालिक काबिज दाखिल बन गये है। उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि से सम्बन्ध सुखाधिकारों सहित जिस प्रकार चाहे बहैसियत मालकाना प्रयोग में लावे ।

11. विक्रेता, विक्रीत भूमि के बाबत समस्त कागजात मे बजरिये बैनामा दाखिल खारिज मालकागजात में कराकर केता का नाम दर्ज करवायेगा या वह स्वयं दर्ज करवा सकते है तथा आवश्यक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे हस्ताक्षर मुझ फरीक अव्वल से करा सकते है, मुझ फरीक अव्वल को कोई एतराज नही होगा।अत: अब विक्रय पश्चात विक्रीत भूमि की मिलकियत भूमि मे निहित हित, व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वारिसान विक्रेता का कोई सम्बन्ध बाकी नही रहा है और न कभी रहेगा ।

For Angelica [illegible] Pvt. Ltd.

Auth. Sign.

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता ...

स्टाम्प की धनराशि ...

अशोक कुमार स्टाम्प विक्रेता

ला० नं० 9- अवधि 31-3-200

तहसील कम्पाउण्ड सदरी (बी.मु.) ...

विक्रय सीमा 15000/-

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 पाँच हजार रुपये

Rs.5000 FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

409551

12. विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल/विक्रेता की ओर कोई भार निकला और निकला हुआ भार क्रेता या स्थानापन्न को अपने पास से अदा करना पड़ा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या वारिसान विक्रेता की दावेदारी या किसी कानूनी नुक्स आदि से विक्रय भूमि कुल अथवा उसका कोई उसका कोई अंश क्रेता या उसके वारिसान या स्थानापन्न के कब्जे से निकल जाये, तो हर ऐसी दशा के उत्पन्न होने पर फरीक अव्वल/विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे तथा क्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण को पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की विक्रय धनराशि को मय हरजे खर्चे प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता के वारिसान की चल व अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे वसूल करा सकते है जिस पर फरीक अव्वल/विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी।

For A... Pvt. Ltd.

Auth. Sign.

क्रम सं० 109 स्टाम्प विक्रय की तिथि 12/6

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन ... [illegible]

स्टाम्प क्रेता का नाम व पता ... [illegible]

स्टाम्प की धनराशि ... [illegible] ...

संजय स्टाम्प विक्रेता

ला० नं० 85-अवधि 31-3-200

बहु० कम्पाउन्ड दादरी जि० गौ०बु० नगर

बिक्री सीमा 15000/-

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

409552

13. यह कि फरीक अव्वल ने विक्रित भूमि के स्वामित्व से सम्बन्धित सभी मूल दस्तावेज (मूल बैनामा/ राजस्वन्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति) तथा प्रमाणित खसरा, खतौनी, नक्शा, जाति, प्रमाण पत्र, तथा बारह साला जो विक्रेता के पास उपलब्ध है, उन्हे विक्रय के साथ-साथ क्रेता को सौप देगा।

14. विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने वहन किया है।

15. अतः यह विक्रय पत्र खूब सोच समझकर, सुनकर पढ़कर गवाहो की उपस्थिति मे लिख दिया गया है कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवें।

For Angelica Promoters & Developers Pvt. Ltd.

Auth. Sign.

क्र० सं० 110 स्टाम्प बिक्री की तिथि 17-6
स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन ... बेनामा
स्टाम्प लेने वाले का नाम व पता ... [illegible]
स्टाम्प की धनराशि ... 5000-

सक्षम स्टाम्प विक्रेता [illegible]

ला० नं० 85-अवधि 31-3-2008
पता कम्पाउण्ड [illegible]
बिक्री सीमा 15000/-

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.　　Rs 500

भारत

पाँच सौ रुपये　FIVE HUNDRED RUPEES

(10)

16. विक्रेता ने विक्रीत भूमि रकबा 0.0960 हैक्टेयर लगानी 5 रूपये 25 पैसे खाता नं0 108 खसरा नं0 49 स्थित ग्राम कचैड़ा वारसाबाद परगना व तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर के निमित्त निम्न विवरण के अनुसार विक्रय धनराशि प्राप्त कर ली है :-

बैंक सिंडीकेट बैंक शाखा नेहरू प्लेस नई दिल्ली बजरिये चैक नम्बर 071584 दिनांकित 17-10-2006 अंकन-54,660/-रू0 (चव्वन हजार छः सौ साठ रूपये) फरीक अव्वल द्वारा अग्रिम रूप से प्राप्त कर ली गयी है।

कोटेक महिन्द्रा बैंक लि0 शाखा डी-960 फ्रैंडस कालोनी, नई दिल्ली बजरिये चैक नं0 000026 दिनांक 15.11.2006 द्वारा कुल एवं अंतिम धनराशि रू0 4,00,668/-(चार लाख छः सौ अड़सठ रू0 मात्र) प्राप्त कर फरीक अव्वल ने

For Angelica Realtors & Developers Pvt. Ltd.

Auth. Sign.

स्टाम्प क्रेता का नाम व पता ...

स्टाम्प की धनराशि ... 5000

संबंधित स्टाम्प विक्रेता

ला० नं० 85-अवधि 31-3-2008

कचहरी कम्पाउन्ड दादरी जि० गौ०बु० नगर

विक्रय सीमा 15000/-

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE
HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

NOV 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

F 323673

(11)

अर्थ अंतिम रूप से समस्त धनराशि प्राप्त कर ली है ।

For Augusta ...

Auth. Sign.

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा)	(हस्ताक्षर)
फरीक अव्वल (विक्रेता)	फरीक दोयम (क्रे...

गवाह नं0 1	**गवाह नं0 2**
श्री------ पुत्र श्री------	श्री-------- पुत्र श्री-------
निवासी ग्राम----परगना---डासना	निवासीग्राम-----परगना---डासना
तहसील--------	तहसील--------
जिला----गाजियाबाद	जिला ----गाजियाबाद

TEJENDRA SINGH
Regn. No 297, Adv.

तहरीर दिनांक 17.11.2006 मसौदाकर्ता तेजेन्द्र सिंह एडवोकेट गाजियाबाद ।

क्र० सं० 112 स्टाम्प विक्रय की तिथि ...
स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन ...
स्टाम्प क्रेता का नाम व पता ...
स्टाम्प की धनराशि ... 15000 ...
सैयद ... स्टाम्प विक्रेता
ला० नं० 85-अवधि 31-3-200 ...
स्थान कम्पाउण्ड दादरी जि० गौ०बु० नगर
बिक्री सीमा 15000/-

आज दिनांक 18/11/06 को जोटोस्टेट
बही संख्या I जिल्द संख्या 342
के पृष्ठ 85 / 106 क्रमांक 15939
पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

उप निबन्धक
दादरी

...गाँव खसरा .... ग्राम .... परगना .... तहसील दादरी .... जिला गौतमबुद्धनगर .... फसली साल 140 ...१४१३... फ०

		कृषि खाते के वर्गीकरण (भाग 1) के अनुसार खातेदार का नाम	कृषि के (भाग 2 के वर्गीकरण के अनुसार खातेदार का नाम यदि कोई हो	सिंचाई का साधन	कृषि (फसलों वाली भूमि) का क्षेत्रफल											[illegible] भूमि का क्षेत्र		प्रत्येक स्रोत के पूरे बने हुए कुओं की संख्या और किस्म	टिप्पणी
					खरीफ			रबी			जायद								
					फसल का नाम	सींचा हुआ	असींचा	फसल का नाम	सींचा हुआ	असींचा	फसल का नाम	सींचा हुआ	असींचा	सींचा हुआ	असींचा	भूमि की श्रेणी	क्षेत्रफल		
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
०.०५६	१०८	हिस्सा —	✕	नं. [illegible]	[illegible]	०.०५६	–	[illegible]	०.०५६	–	–	–	–	०.०५६	–	–	–	[illegible]	[illegible]

सत्यप्रतिलिपि, [illegible]

Amit Kumar
14/11/06
[illegible]

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

उ० प्र० सं० ग्राम विकास बैंक

दपैरा(गो)

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) के सम्बन्ध में

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता संख्या ...102... खसरा नम्बर ...59... रकबा ...0.0960... स्थित ग्राम ...कैसेरा नसिराबाद... परगना ...दादरी... व तहसील ...दादरी... जिला ...गौ० बु० नगर... मुझ प्रार्थी की उपरोक्त भूमि मै0 उप्पल चड्ढा हाईटेक डेवलपर्स प्रा0 लि0 को बेचना है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) प्रदान करने की कृपा करे।

धन्यवाद !

प्रार्थी

राम करण पुत्र श्री छिद्दा

ग्राम नासिराबाद कैसरा

पो० डासना गा० बाद

उ० प्र० सह० ग्राम विकास बैंक लि० शाखा-दादरी, गौतम बुद्ध नगर
N0 DUES

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

पंजाब नेशनल बैंक

दादरी (गा०)

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) के सम्बन्ध में

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता संख्या 108 खसरा संख्या 49 रकबा 0.0360 स्थित ग्राम सैदपुर .... दादरी व तहसील दादरी जिला गौ० बु० नगर मुझ प्रार्थी के उपरोक्त भूमि मै० उप्पल चड्ढा हाईटैक डेवलपर्स प्रा0 लि0 को बेचना है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद

प्रार्थी

राम करण पुत्र श्री छिद्दा

ग्राम सादुल्ला नगर इनायत

पो० ... गा० बाद

उद्धरण खतौनी

ग्राम क्रमांक : 71020116093 ग्राम का नाम : कचैडा वारसाबाद परगना : दादरी तहसील : दादरी

जनपद : गौतमबुद्धनगर फसली वर्ष : 1409-1414 भाग : 1

खाता खतौनी क्रम संख्या	खातेदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	भौमिक अधिकार प्रारम्भ होने का फसली वर्ष	खाते के प्रत्येक गाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (हे.)	खातेदार द्वारा देय मालगुजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आज्ञा या उसका सारांश उनकी संख्या तथा दिनांक सहित और आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद
1	2			3	4	5	6	7-12
श्रेणी : 1-क	भूमि जो संक्रमणीय भूमिधरों के अधिकार में हो।							
00108	छिद्दा	बहाल	इकला परगना डासना	पू.1402	49	0.0960		✓ आदेशानुसार श्रीमान रा.नि.महोदय पक-11ख/3-10-06 को आदेश हुआ कि खा.स. 108 से मृतक छिद्दा के स्थान पर रामकरण पुत्र छिद्दा नि. इकला पर. डासना का नाम बतौर वारिस दर्ज हो। ह.रा.नि. 9-10-2006 ✓ आदेशानुसार श्रीमान ना.तह.महोदय पि.भ.57/23-12-06 को आदेश हुआ कि खा.स. 108 के ख.न. 49/0.0960है. ... म. 5.25/-से विक्रेता रामकरण पुत्र छिद्दा नि सादतनगर इकला पर. डासना, गाजियाबाद का नाम खारिज करके क्रेता मै. एंजिलिका प्रमोटर्स एण्ड डवलपर्स प्रा.लि रजि. कार्यालय 33 कम्युनिटी सैंटर एन.एफ.सी. नई दिल्ली द्वारा राकेश उप्पल पुत्र ब्रजमोहन उप्पल नि. ए-334 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली का नाम बतौर बैनामा दर्ज हो। ह.रा.र.का. 8-1-2007
				कुल गाटे : 1	कुल क्षे :	0.0960	5.25	

27-01-07